MINISTRY OF FINANCE
GOVERNMENT OF INDIA

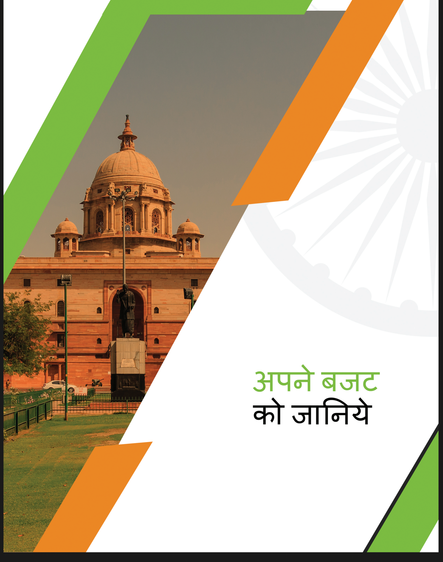

अपने बजट को जानिये

बजट शब्दावली

1. आम बजट

बजट सरकार के लेखा-जोखे की सबसे विस्तृत रिपोर्ट होती है। इसमें एक वित्तीय वर्ष में सभी स्रोतों से सरकार को होने वाली आमदनी और हर मद पर सरकार द्वारा किए जाने वाले खर्च का ब्यौरा होता है। संविधान में बजट शब्द का प्रयोग नहीं है बल्कि इसे 'वार्षिक वित्तीय विवरण' कहा गया है। लेकिन आम जन में बजट शब्द ही अधिक प्रचलित है।

2. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर

जो कर सीधे (प्रत्यक्ष रूप से) व्यक्तियों या कंपनियों द्वारा अदा किए जाते हैं, प्रत्यक्ष कर कहलाते हैं जैसे- आयकर, निगमकर आदि।
अगर आप कोई वस्तु जैसे मोबाइल खरीदते हैं, तो उस पर भी सरकार कुछ कर लगाती है। ये कर अप्रत्यक्ष रूप से उस वस्तु के खरीददार को अदा करना पड़ता है। इस तरह वस्तु या सेवाओं पर लगने वाले कर को अप्रत्यक्ष कर कहते हैं। जैसे उत्पात शुल्क।

3. उत्पात शुल्क

यह एक अप्रत्यक्ष कर है जो उन वस्तुओं पर लगता है जिनका उत्पादन भारत में होता है और उपभोग भी भारत में ही।

4. सीमा शुल्क

यह वस्तुओं के आयात या निर्यात पर लगने वाले शुल्क हैं। सामान्यत: इनका भार भी अंत में उपभोक्ता पर ही पड़ता है।

5. वित्तीय घाटा

जब सरकार की किसी वित्तीय वर्ष में कुल आमदनी पांच रुपया हो और वो खर्च छह रुपये कर दे, तो यह एक रुपए का घाटा वित्तीय घाटा कहलाता है। सरकार इसकी पूर्ति उधार लेकर करती है। सीमाओं के भीतर रहे, तो वित्तीय घाटा अच्छा माना जाता है, क्योंकि इससे विकास कार्य के लिए अधिक खर्च करना संभव होता है।

6. राजकोषीय घाटा

यदि सरकार की राजस्व प्राप्तियां, उसके राजस्व व्यय से कम हों, तो इस घाटे को राजकोषीय घाटा कहा जाता है।

बजट शब्दावली

7. प्राथमिक घाटा

प्राथमिक घाटा - यदि वित्तीय घाटे में से सरकार द्वारा ब्याज के रूप में भुगतान की गयी राशि को घटा दिया जाए तो इसे प्राथमिक घाटा कहते हैं -
प्राथमिक घाटा = वित्तीय घाटा - ब्याज भुगतान
इससे पता चलता है कि सरकार द्वारा उधार लिए गए धन में से किया धन ब्याज के अलावा अन्य मदों पर व्यय हुआ है।

8. राजकोषीय नीति

राजस्व नीति – राजस्व के आय-व्यय से संबंधित सरकार के कार्य राजकोषीय नीति कहलाते हैं। इसे बजट के जरिए लागू किया जाता है। सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने का यह सबसे प्रमुख साधन है।

9. मौद्रिक नीति

अर्थव्यवस्था में धन की मात्रा (तरलता) में परिवर्तन करने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा जो कदम उठाये जाते हैं, उन्हें मौद्रिक नीति कहते हैं। इसके जरिए रिजर्व बैंक मंहगाई को नियंत्रित करता है।

10. मुद्रास्फीति (मंहगाई)

सामान्य कीमतों में होने वाली वृद्धि इसे पिछले मूल्य पर प्रतिशत वृद्धि के रूप में दिखाया जाता है।

11. वित्तीय विधेयक

संसद में बजट प्रस्तुति के बाद एक विधेयक रखा जाता है, इसे वित्त विधेयक कहते हैं, इसमें कर लगाने, हटाने या घटाने आदि के प्रस्ताव होते हैं।

12. बजट अनुमान/बजट प्राक्कलन

आने वाले वित्तीय वर्ष में किसी मंत्रालय या योजना के लिए आवंटित धन राशि।

13. कॉर्पोरेट कर

ये वो कर है जो निगम अथवा कंपनियां चुकाती हैं।

Budget Glossary

14. भारत की आकस्मिक निधि

संचित निधि से धन केवल संसद की अनुमति से ही निकाला जा सकता है। लेकिन कभी भी ऐसी परिस्थिति पैदा हो सकती है जब सरकार को अचानक किसी चीज के लिए धन खर्च करने की आवश्यकता पड़ जाए। इसके लिए आकस्मिकता निधि बनायी गयी है। इसमें राष्ट्रपति के आदेश पर धन निकल सकता है। इस निकाले गये धन की पूर्ति बाद में संचित निधि से कर दी जाती है।

15. भारत की संचित निधि

सरकार राजस्व से, उधारी से या दूसरों को दिये ऋण की वापसी से जो धन प्राप्त करती है, उसे संचित निधि में जमा कराया जाता है। सरकार के सभी व्यय भी इसी में से किये जाते हैं। (आकस्मिक निधि एवं लोक सेवा के अतिरिक्त)

16. लोक लेखा

इसमें वो सब धन जमा होता है, जिस पर सरकार का स्वामित्व नहीं है, लेकिन सरकार बैंकर का कार्य कर रही हो, जैसे भविष्य निधि। ये पैसा सरकार का नहीं होता बल्कि जमा करने वाले व्यक्ति को वापस मिलता है। लोक लेखा में से खर्च करने के लिए सरकार को संसद की अनुमति नहीं लेनी होती।

17. न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT)

ये वो न्यूनतम कर है जो किसी कंपनी को देना ही होता है, चाहे ये जीरो (शून्य) की सीमा से कम भी हो।

18. गैर-योजना व्यय

योजना व्यय के अलावा अन्य सरकारी व्यय जैसे ब्याज भुगतान, पेंशन आदि।

19. योजना व्यय

केंद्रीय योजना पर व्यय को योजना व्यय कहा जाता है। यह व्यय मुख्य रूप से विकास कार्यों पर होता है जैसे आधार संरचना पर, शिक्षा पर आदि।

20. विनिवेश

विनिवेश का अर्थ है सरकार द्वारा किसी सार्वजनिक उद्यम के शेयरों का बेच दिया जाना। सरकार के पास किसी सरकारी कंपनी के शेयर कमाई करने वाली संपत्ति हैं, जिन पर उसका अधिकार है। यदि ये शेयर नकदी प्राप्त करने के लिए बेचे जाते हैं तो वे कमाई करने वाली संपत्ति नकदी में बदल जाती है। इसलिए इसे विनिवेश कहते हैं।